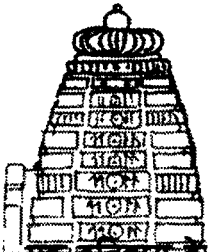

सोमनाथ – एक इतिहास के विविध वृतांत 69

सन् 1026, महमूद गज़नवी ने सोमनाथ के मंदिर पर आक्रमण किया और वहां की मूर्ति को तोड़ा। इस घटना का उल्लेख कई ऐतिहासिक स्रोतों मे मिलता है। वे सब स्रोत – चाहे तुर्क-फारसी उल्लेख हो, जैन विवरण, संस्कृत शिलालेख या और भी कई वर्णन – वे सब इस घटना को बहुत ही अलग-अलग नज़रिए से देख रहे थे। वास्तव में सदी-दर-सदी इस घटना की समझ में ही बदलाव आता रहा। ब्रिटिश हुकूमत के दौरान भारत में इस घटना को काफी महत्वपूर्ण बना दिया गया। क्या एक इतिहासकार के लिए यह ज़रूरी नहीं कि वह सभी स्रोतों का अध्ययन कर घटना की तह तक जाए और उस घटना को लेकर नज़रियों में आए बदलावों का आकलन करे . . . ? आखिर एक इतिहासकार द्वारा दिया गया विश्लेषण ही तो आम जनता की राय बनाने में अहम् भूमिका निभाता है।

शैक्षिक संदर्भ

अंक 29, सितंबर-अक्टूबर 1999

इस अंक में

आपने लिखा 4

पदार्थ कोलॉयड 9
सुशील जोशी

एक दिन कक्षा में 16
काजल कुमार नंदी

चुंबक इतिहास के. . . . 23
लॉयड विलियम, ग्लेन टकर

बच्चों की भाषा 39
रमाकांत अग्निहोत्री

ज़रा सिर तो 46

सिंथेटिक मिल्क यानी 47
अम्लान दास

अब बच्चे स्कूल जाते है . . . 53
प्रभाकर पोड़ापाटी

दबाव – कुछ पहलू . . . 59
अमिताभ मुखर्जी

सवालीराम 66

सोमनाथ एक इतिहास 69
रोमिला थापड़

एक शंख बिन कुतुबनुमा 88
शरद जोशी

खरमोर 93
के. आर. शर्मा